

- (a) खेल अनिवार्य है और उसे विद्यालय में प्राथमिकता दी जानी चाहिए
- (b) बच्चों के सोखने के लिए प्रतिरूपण (मॉडलिंग) एक मुख्य तरीका है
- (c) अनसुलझा संकट बच्चे को नुकसान पहुँचा सकता है
- (d) संज्ञानात्मक विकास सामाजिक विकास से स्वतंत्र है।
64. मनोसामाजिक सिद्धांत निम्नलिखित में से किस पर बल देता है? [CTET-Sept.-2014-II]
- (a) उद्दीपन व प्रतिक्रिया
- (b) लिंगीय व प्रसुप्ति स्तर
- (c) उद्यम के मुकाबले में हीनता स्तर
- (d) क्रियाप्रसूत (सक्रिय) अनुबंधन।
65. यह तथ्य कि बच्चों को सांस्कृतिक रूप से प्रार्थनिक ज्ञान की आवश्यकता होती है, निम्नलिखित में से किस व्यक्ति से संबंधित है? [CTET-Sept.-2014-II]
- (a) चार्ल्स डार्विन
- (b) बी.एफ. स्किनर
- (c) यूरी ब्रोनफेनब्रैनर
- (d) लैव वाइगोट्स्की।
66. निम्नलिखित में से कौन-सा समाज में लिंग समानता का मानदंड हो सकता है? [CTET-Sept.-2014-II]
- (a) विद्यालय में पुरुष और महिला शिक्षकों की संख्या की तुलना
- (b) कक्षा 12 में लड़कों और लड़कियों द्वारा समान संख्या में प्राप्त विशिष्ट योग्यता
- (c) कक्षा 12 तक पहुँचने वाले लड़कों और लड़कियों की संख्या की तुलना
- (d) क्या छात्राओं को विद्यालय से बाहर आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दी जाती है।
67. आर्जव तर्क देता है कि भाषा विकास व्यक्ति की नैसर्गिक प्रवृत्ति से प्रभावित होता है, जबकि सोनाली महसूस करती है कि यह परिवेश से प्रभावित होता है। आर्जव और सोनाली के बीच यह चर्चा किस विषय में है? [CTET-Feb.-2015-I]
- (a) चुनौतीपूर्ण तथा संवेदनशील भावना
- (b) स्थिरता तथा अस्थिरता पर बहस
- (c) सतत तथा असतत अधिगम
- (d) प्रकृति तथा पालन-पोषण वाद-विवाद।
68. निम्नलिखित में से कौन-सा बच्चों के समाजीकरण के प्रगतिशील मॉडल के संदर्भ में सही नहीं है? [CTET-Feb.-2015-I]
- (a) समूह कार्य में सक्रिय सहभागिता तथा सामाजिक कौशलों को सोखना
- (b) बच्चे विद्यालय में बताई गई बातों को स्वीकार करते हैं, चाहे उनकी सामाजिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो
- (c) कक्षा में प्रजातंत्र के लिए होना चाहिए
- (d) समाजीकरण सामाजिक नियमों का अधिग्रहण है।
69. इस पर अत्यधिक वाद-विवाद होता है कि क्या लड़कों एवं लड़कियों में योग्यताओं का विशिष्ट समूह उनके आनुवंशिक घटकों के कारण होता है? इस संदर्भ में निम्नलिखित में से आप सबसे अधिक किससे सहमत हैं? [CTET-Feb.-2015-II]
- (a) लड़के सेवाभाव वाले नहीं हो सकते हैं क्योंकि वे जन्म से इस प्रकार के होते हैं
- (b) लड़कियों को सेवाभाव के लिए सामाजिक रूप से तैयार किया जाता है, जबकि लड़कों को रोने जैसा संवेग प्रदर्शित करने के लिए हतोत्साहित किया जाता है
- (c) यौवनारम्भ के बाद लड़के और लड़कियाँ एक साथ नहीं खेल सकती हैं क्योंकि उनकी अभिरुचियाँ पूर्णतया विपरीत होती हैं
- (d) सभी लड़कियों में कला-विषयों के लिए अन्तर्निहित प्रतिभा होती है, जबकि लड़के आक्रामक खेलों में बेहतर प्रदर्शन के लिए आनुवंशिक रूप से तैयार होते हैं।
70. समाजीकरण एक प्रक्रिया है- [CTET-Feb.-2015-II]
- (a) मित्रों के साथ सामाजिक बनने की
- (b) मूल्यों, विरवासों तथा अपेक्षाओं को अर्जित करने की
- (c) खोलने-मिलने तथा समायोजन की
- (d) एक समाज की संस्कृति की आलोचना करना सीखने की।

71. भारत में भाषिक विभिन्नता बहुत है। इस संदर्भ में विशेषकर कक्षा I और II के प्राथमिक स्तर पर बहुभाषिक कक्षाओं के बारे में सर्वथा उपयुक्त कथन है: [CTET-Sept.-2015-I]
- विद्यालय में उन्हीं बच्चों को प्रवेश दिया जाए जिनकी मातृभाषा वही हो जो शिक्षा के लिए अपनाई जा रही हो।
 - शिक्षक को सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए और सभी भाषाओं में अभिव्यक्ति के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए।
 - जो बच्चे कक्षा में मातृभाषा का उपयोग करते हैं अध्यापक को उनकी उपेक्षा करनी चाहिए।
 - शिक्षार्थियों को अपनी मातृभाषा या स्थानीय भाषा का प्रयोग करने पर दंडित किया जाए।
72. "जन-संचार माध्यम समाजीकरण का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनता जा रहा है।" [CTET-Sept.-2015-II]
- नीचे दिए गए कथनों में से कौन-सा सबसे उपयुक्त कथन है?
- समाजीकरण केवल माता-पिता और परिवार के द्वारा किया जाता है।
 - जन-संचार माध्यमों की पहुँच बढ़ रही है और जन-संचार माध्यम अभिव्यक्तियों, मूल्यों और विश्वासों को प्रभावित करता है।
 - बच्चे संचार माध्यमों के साथ प्रत्यक्ष रूप से अंतःक्रिया नहीं कर सकते हैं।
 - संचार माध्यम पदार्थों के विज्ञापन और विक्रय के लिए एक अच्छा माध्यम है।
73. निम्नलिखित में से कौन-सा समाजीकरण का एक प्रमुख कारक है? [CTET-Sept.-2015-II]
- कम्प्यूटर
 - आनुवंशिकता
 - राजनीतिक दल
 - परिवार
74. जब एक शिक्षक यह समझता है कि स्वाभाविक रूप से लड़के गणित में लड़कियों से अच्छे हैं, यह दर्शाता है कि अध्यापक है: [CTET-Sept.-2015-II]
- लिंग (जेंडर) पक्षपाती
 - शिक्षाप्रद
 - सही दृष्टिकोण वाला
 - नीतिपरक
75. लिंग (जेंडर) पक्षपात की ओर संकेत करता है। [CTET-Sept.-2015-II]
- सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के कारण अपेक्षाओं पर आधारित लड़कों और लड़कियों से भिन्न व्यवहार कराना।
 - आनुवंशिक विभिन्नताएँ जो लड़कों और लड़कियों में मौजूद हैं।
 - स्त्रियौचित और पुरुषोचित विशेषताओं में सापेक्षिक रूप से स्वयं का बोध।
 - अपने शरीर-विज्ञान के कारण लड़कों और लड़कियों के बीच विभिन्नताओं की स्वीकृति।
76. समान आयु के बच्चों में भी आकृति, योग्यता, स्वभाव, रुचि, प्रवृत्ति और अन्य बातों में बहुत अंतर होता है। इस संदर्भ में विद्यालय की क्या भूमिका है? [CTET-Sept.-2015-II]
- सुनिश्चित करना कि प्रत्येक बच्चे को अपनी क्षमताओं के अनुसार विकास के अवसर मिलें।
 - बच्चों के आकलन के लिए नियामक मानक स्थापित करना।
 - सुनिश्चित करना कि शिक्षक मानकीकृत निर्देश और पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करें।
 - सुनिश्चित करना कि सभी बच्चों का विकास एक ही प्रकार से हो।
77. समाजीकरण की प्रक्रिया में शामिल नहीं है: [CTET-Sept.-2015-II]
- कौशलों का अर्जन।
 - मूल्यों और विश्वासों का अर्जन।
 - आनुवंशिक संचरण।
 - एक संस्कृति की रीतियों और मानदंडों का सीखना।

78. भारत में बहुत से बच्चे, विशेषकर लड़कियाँ विद्यालय में आने से पहले और विद्यालय से वापस जाने के बाद घर का काम करते हैं। आपके विचार से इस संदर्भ में एक शिक्षिका को गृहकार्य के बारे में क्या करना चाहिए?

[CTET-Sept.-2015-II]

- (a) उसे उन बच्चों को कठोर दंड देना चाहिए जो अपना गृहकार्य पूरा नहीं करते हैं।
(b) शिक्षिका को ऐसा गृहकार्य देना चाहिए जो विद्यालय में कराए गए अधिगम को बच्चों के घरेलू जीवन को जोड़ता है।
(c) शिक्षिका को सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे अपना गृहकार्य करने के लिए सुबह जल्दी उठें और देर तक रुकें।
(d) बच्चों के माता-पिता से उनके गृहकार्य को पूरा कराने के लिए दृष्टान्त लगवाने के लिए कहिए।

79. एक सहशिक्षा कक्षा में लड़कों से शिक्षक यह कहता है, "लड़के बनें और लड़कियाँ जैसा व्यवहार मत करो।" यह टिप्पणी

[CTET-Feb.-2016-I]

- (a) लड़कियों पर लड़कों की जीववैज्ञानिक महत्ता को उजागर करता है।
(b) जातीय भेदभाव का परिचायक है।
(c) लड़के-लड़कियों के साथ व्यवहार का एक अच्छा उदाहरण है।
(d) लड़के-लड़कियों में भेदभाव की रूढ़िबद्ध धारणा प्रकट करता है।

80. बच्चे के समाजीकरण में परिवार _____ भूमिका निभाता है। [CTET-Feb.-2016-I]

- (a) गौण
(b) कम महत्वपूर्ण
(c) रोमांचकारी
(d) मुख्य

81. एक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से मानव शिशु समाज के सक्रिय सदस्य के रूप में निष्पादन करने के लिए आवश्यक कौशलों का अर्जन करना प्रारंभ करता है।

[CTET-Feb.-2016-II]

- (a) परिपक्वता (b) विकास
(c) समाजीकरण (d) सीखना

82. कक्षा VIII की एक पाठ्य-पुस्तक में इस प्रकार के चित्र है- शिक्षिका एक घरेलू काम करने वाली के रूप में महिला, चित्रिक डॉक्टर एवं पाइलट के रूप में पुरुष। इस प्रकार के चित्रण से बढ़ सकती/सकता है [CTET-Feb.-2016-II]

- (a) लिंग स्थिरता
(b) लिंग सशक्तीकरण
(c) लिंग रूढ़िबद्धता
(d) लिंग भूमिका-निर्वाह खेल

83. एक शिक्षक समाज के 'वंचित वर्ग' के बच्चों की आवश्यकताओं को प्रभावपूर्ण तरीके से पूरा कर सकता है [CTET-Feb.-2016-II]

- (a) अन्य बच्चों को वंचित पृष्ठभूमि वाले बच्चों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करने के लिए कहकर

- (b) कक्षा-कक्ष के प्रत्येक बच्चों की आवश्यकतानुसार अपना शिक्षण-कोशल अपनकर

- (c) उनकी पृष्ठभूमि की उपेक्षा करके तथा उन्हें विद्यालय में कार्य करने के लिए कहकर

- (d) उन्हें कक्षा-कक्ष में अलग स्थान पर बैठाकर, ताकि वे अन्य बच्चों से मेल-जोल न करें

84. निर्मास्थित में कौन-से समाजीकरण के गौण वाहक हो सकते हैं?

[CTET-Sept.-2016-II]

- (a) परिवार और पास-पड़ोस
(b) विद्यालय और पास-पड़ोस
(c) विद्यालय और निकटतम परिवार के सदस्य
(d) परिवार और रिश्तेदार

85. 'लिंग' है: [CTET-Sept.-2016-II]

- (a) जैविक सत्ता
(b) शारीरिक संरचना
(c) सहज गुण
(d) सामाजिक संरचना

86. विद्यालय और समाजीकरण के बारे में निम्नलिखित में से क्या सत्य है?

[CTET-Sept.-2016-II]

- (a) विद्यालय समाजीकरण का पहला मुख्य कारक हैं।
- (b) विद्यालय समाजीकरण का एक महत्वपूर्ण कारक है।
- (c) समाजीकरण में विद्यालय की कोई भूमिका नहीं होती।
- (d) समाजीकरण में विद्यालय की बहुत थोड़ी भूमिका होती है।

87. 'समानान्तर खेल' क्या है?

[HTET-2017]

- (a) समूह में खेलना
- (b) छोटे समूह में सहभागिता
- (c) गैल प्ले
- (d) अलग-अलग खेलना

88. निम्नलिखित में से कौन बालक में नैतिक मूल्यों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है?

[HTET-2017]

- (a) प्रार्थना सभा
- (b) सही समाजीकरण
- (c) बुद्धि

(d) सभी विकल्प सही हैं

89. निम्नलिखित में कौन-सा लक्षण अन्तर्मुखी व्यक्तित्व का नहीं है? [HTET-2017]

- (a) आत्मकेन्द्रित
- (b) रूढ़िवादी
- (c) सामाजिकता
- (d) दब्यु

90. वह अवस्था जब बालक अपने अभिभावकों के साथ कम आनन्दित होता है, सम्बन्धित है उसके:

[HTET-2017]

- (a) शारीरिक विकास से
- (b) मानसिक विकास से
- (c) भाषा विकास से
- (d) सामाजिक विकास से


उत्तरमाला

1	(a)	11	(c)	21	(a)	31	(d)	41	(c)	51	(c)	61	(b)	71	(b)	81	(c)
2	(c)	12	(d)	22	(a)	32	(d)	42	(a)	52	(b)	62	(b)	72	(b)	82	(d)
3	(c)	13	(c)	23	(a)	33	(b)	43	(c)	53	(d)	63	(b)	73	(d)	83	(b)
4	(a)	14	(a)	24	(c)	34	(d)	44	(c)	54	(b)	64	(c)	74	(a)	84	(b)
5	(a)	15	(c)	25	(b)	35	(d)	45	(b)	55	(d)	65	(d)	75	(a)	85	(d)
6	(a)	16	(c)	26	(a)	36	(d)	46	(a)	56	(d)	66	(c)	76	(a)	86	(b)
7	(a)	17	(b)	27	(c)	37	(d)	47	(d)	57	(c)	67	(d)	77	(c)	87	(a)
8	(a)	18	(b)	28	(c)	38	(c)	48	(b)	58	(d)	68	(b)	78	(b)	88	(b)
9	(c)	19	(d)	29	(a)	39	(c)	49	(d)	59	(d)	69	(a)	79	(d)	89	(c)
10	(d)	20	(c)	30	(d)	40	(a)	50	(d)	60	(d)	70	(c)	80	(d)	90	(d)

व्याख्या सहित उत्तर

16. (c) प्राथमिक कक्षाओं में प्रवेश के समय लड़कियाँ, लड़कों से पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करती हैं, लेकिन कुछ समय बाद उनका प्रदर्शन नीचे की ओर चला जाता है। कई शिक्षाशास्त्रियों का यह भी मत है कि प्राथमिक शिक्षा में लड़कों पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है। अतः, एकल-गायन प्रतियोगिता के लिए लड़कियों को वरीयता देना, लैंगिक पूर्वाग्रह को दर्शाता है।
17. (b) समाजीकरण में शिक्षा का बहुत बड़ा योगदान है। उचित शिक्षा व्यक्ति में सामाजिक गुणों का विकास करती है, जिससे शिक्षित व्यक्ति अपने आस-पास के सामाजिक वातावरण में अनुकूलन एवं समायोजन स्थापित कर एक अच्छे समाज का निर्माण करता है।
30. (d) नर्सरी शिक्षण शुरू करने हेतु सबसे अच्छी विषय-वस्तु 'मेरा परिवार' होगी क्योंकि छात्र उसी के सम्पर्क में रहता है, ये रुचिकर, सरल व ज्ञात विषय-वस्तु है।
40. (a) एक शिक्षक को लैंगिक रूढ़िबद्धता से बचने के लिए लड़के एवं लड़कियों में कोई भेदभाव नहीं करना चाहिए एवं लैंगिक गतिविधियों में लिंग के आधार पर कार्यों का विभाजन नहीं करना चाहिए।
41. (c) विद्यालयीय शिक्षा का उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए यह समझना आवश्यक है कि शिक्षार्थी सीखने योग्य हैं या नहीं। इसका कारण यह है कि सभी शिक्षार्थियों में वैयक्तिक विभिन्नताएँ पायी जाती हैं।
42. (a) शिक्षार्थियों में वैयक्तिक अधिगम विभिन्नताएँ होने पर उनके सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षकों को पाठ्य-पुस्तक के अतिरिक्त प्रभावी शिक्षण के लिए अन्य संसाधनों एवं क्रियाकलापों का प्रयोग करना चाहिए जिनमें बाल-केंद्रित पाठ्यचर्या का पालन करना एवं शिक्षार्थियों को सीखने के अनेक अवसर उपलब्ध कराना शामिल है।
43. (c) समाजीकरण वह प्रक्रिया है जो व्यक्ति को सामाजिक परम्पराओं, प्रथाओं, रूढ़ियों, मूल्यों, आदर्शों आदि का पालन करना और विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों में अनुकूलन करना सिखाता है।
44. (c) सामाजिक भूमिकाओं के कारण सौपी गयी विशिष्टताएँ जेंडर भूमिका रूढ़िबद्धता कहलाती हैं। जैसे-महिलाओं को खिलाफ होने वाला भेदभाव सामाजिक भूमिकाओं के रूढ़िबद्धता के कारण होती है।
45. (b) कैंप्टन विक्रम बत्रा द्वारा देश के लिए किया गया त्याग उनके आत्म-गीरव एवं आत्म-सिद्धि को प्राप्ति को दर्शाता है।

48. (b) समाजीकरण में सांस्कृतिक संचरण एवं वैयक्तिक व्यक्तित्व विकास सम्मिलित हैं।
71. (b) एक बहुभाषी कक्षा एक ऐसी कक्षा है जहाँ पर सीखने वाले विभिन्न प्रकार की भाषाएँ बोलते हैं। बहुभाषी कक्षा में शिक्षक को सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए एवं सभी छात्रों को इस बात के लिए उत्साहित करना चाहिए कि बच्चे उनके साथ वार्तालाप करें।
72. (b) जन-संचार समाजीकरण का एक कारक है। टेलीविजन शो, फिल्में, प्रसिद्ध संगीत, पत्रिकाएँ, देव साइट्स एवं मास मीडिया के दूसरे पहलू हमारे राजनीतिक विचारों, प्रसिद्ध संस्कृति में हमारी रूचि, हमारे दृष्टिकोण, को प्रभावित करते हैं।
73. (d) परिवार समाजीकरण का प्रथम सोपान है। परिवार छोटे बच्चे एवं बड़े बच्चों हेतु समाजीकरण का सबसे महत्वपूर्ण कारक है। अभिभावकों के विचार एवं व्यवहार उनके पुत्रों एवं पुत्रियों के व्यवहार को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं।
74. (a) लैंगिक भेदभाव एक पूर्वाग्रह या भेदभाव है जो कि किसी व्यक्ति के लिंग पर आधारित होते हैं।
75. (a) हम लिंगीय पक्षपात को इस रूप में देखते हैं कि अध्यापक एक लिंग या दूसरे लिंग से विभेदीकरण कैसे करते हैं। ऐसा निर्देशों द्वारा घटित होता है। लड़कों के बारे में यह कहा जाता है कि वे लड़कियों की अपेक्षा गणित में अच्छे होते हैं। इसी प्रकार लड़कियों के बारे में कहा जाता है कि वे पढ़ने में अच्छी होती हैं। शिक्षक लिंगीय भेदभाव के आधार पर शैक्षिक विभेद भी करते हैं। वे लड़कियों की अपेक्षा लड़कों से तीव्र व्यवहार की उम्मीद करते हैं। वे लड़कियों से यह उम्मीद करते हैं कि वे गृहकार्य को ज्यादा तन्मयता के साथ करें। शिक्षक लड़कियों की अपेक्षा लड़कों की एक अलग प्रकार से प्रशंसा या आलोचना करते हैं। शिक्षक अक्सर लड़कों की प्रशंसा या आलोचना लड़कों से अलग प्रकार से करते हैं। वे लड़कों से कहते हैं कि तुमने यह कार्य अच्छी प्रकार से किया। लड़कियों से वे कहते हैं कि तुम इसको बेहतर ढंग से कर सकती थी।
76. (a) कोई भी दो विद्यार्थी एक जैसे नहीं होते। वे किसी न किसी तरीके से एक-दूसरे से अलग होते हैं। इसलिए हर बच्चे को उसकी क्षमता के अनुसार विकास करने के अवसर उपलब्ध होने चाहिए।
77. (c) संस्कृति को प्राप्त करने की सामान्य प्रक्रिया को समाजीकरण कहते हैं। व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया में समाजीकरण आवश्यक है। मनुष्य के व्यक्तित्व का अधिकांश निर्माण पुणसूत्रों के परिणाम स्वरूप होता है। समाजीकरण की प्रक्रिया विशेष विषयों एवं अभिरूचियों को सामूहिक रूप से उपलब्ध करा रहे अनुभवों के साथ-साथ व्यक्तित्व को विशेष दिशा प्रदान करती है।
78. (b) भारत में बहुत से बच्चे, विशेषकर लड़कियाँ विद्यालय में आने से पहले और विद्यालय से वापस जाने के बाद घर का काम करती हैं। अतः शिक्षिका को बच्चों को ऐसा गृहकार्य देना चाहिए जो बच्चे की स्कूली शिक्षा को उसकी घरेलू ज़िंदगी के साथ जोड़े।
79. (d) एक सहशिक्षा कक्षा में लड़को से शिक्षक यह कहता है, "लड़के बगो और लड़कियाँ जैसा व्यवहार मत करो।" यह टिप्पणी लड़के-लड़कियों में भेद भाव को रुढ़िबद्ध धारणा प्रकट करता है। वर्तमान समय में लड़के और लड़कियों को समान समझा जाता है, समान शिक्षा दी जाती है। दोनों ही समाज का अभिन्न अंग हैं, दोनों ही बराबर हैं। ऊपर दी गई टिप्पणी लड़के-लड़कियों में भेद उत्पन्न करने वाली भावना को प्रकट करती है जो सर्वथा गलत है।
80. (d) बच्चे के समाजीकरण में परिवार मुख्य भूमिका निभाता है। बच्चा जन्म के बाद से ही सीखना प्रारंभ कर देता है। अपने माता-पिता एवं परिवार के अन्य सदस्यों के साथ हुए अनुभवों का प्रभाव बच्चे के सामाजिक विकास पर पड़ता है।

82. (d) लैंगिक भूमिका समाज में स्वीकार वह व्यवहार है जो पुरुष और स्त्री के लिंग पर आधारित होते हैं।
84. (b) सामाजिक बनने की प्रक्रिया ही समाजीकरण कहलाती है। समाजीकरण का अर्थ उस प्रक्रिया से है जिसके द्वारा व्यक्ति अन्य व्यक्तियों से अंतः क्रिया करता हुआ सामाजिक आदतों, विश्वासों, रीति-रिवाजों तथा परंपराओं एवं अभिवृत्तियों को सीखता है। 
86. (b) समाजीकरण की प्रक्रिया बालक के सामाजिक विकास को गति प्रदान करती हैं, घर, परिवार, पड़ोस, मित्र-मंडली, विद्यालय, जनसंचार साधन तथा राजनीतिक व सामाजिक संस्थाएँ बालक के समाजीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। बालक के सामाजिक विकास में विद्यालय का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान होता है। विद्यालय बालक को समाजीकरण की दिशा को निर्धारित करती है।
89. (c) अंतर्मुखी बालक आदर्शवादी और संकोची स्वभाव वाले होते हैं। ये बालक बोलना और मिलना कम पसंद करते हैं।



अभ्यास - 2

1. व्यवहारवाद की स्थापना की थी-
 - (a) जे.बी. वाटसन (b) सिग्मंड फ्रायड
 - (c) स्किनर (d) अल्फर्ड बिने।
2. भाषा विकास को प्रभावित करने वाले कारक हैं-
 - (a) स्वास्थ्य (b) बुद्धि
 - (c) यौन विभिन्नता (d) उपरोक्त सभी
3. भाषा विकास में बाधा नहीं है-
 - (a) तुतलाना
 - (b) हकलाना
 - (c) अस्पष्ट उच्चारण
 - (d) अनुकरण करना।
4. समाजीकरण का सर्वप्रथम व शक्तिशाली अभिकरण है-
 - (a) घर (b) समाज
 - (c) विद्यालय (d) कोई नहीं।
5. समाजीकरण से अभिप्राय नहीं है-
 - (a) समाज में रहकर उसके आदर्शों, मूल्यों में विश्वास
 - (b) समाज की जीवन-शैली को अपनाना
 - (c) समाज का कुशल सदस्य बनना
 - (d) संप्रत्यय निर्माण का विकास करना।
6. समाजीकरण में सहायक है-
 - (a) संगी-साथी (b) जाति-समुदाय
 - (c) स्काउट-गाइड (d) उपरोक्त सभी।
7. भाषा सीखने की दृष्टि से सबसे अधिक ग्राह्य आयु क्या होती है?
 - (a) जन्म से 3 वर्ष (b) 1 से 3 वर्ष
 - (c) 2 से 5 वर्ष (d) 3 से 6 वर्ष
8. दूसरे वर्ष के अन्त तक शिशु का शब्द-भंडार हो जाता है-
 - (a) 50 शब्द (b) 10 शब्द
 - (c) 60 शब्द (d) 100 शब्द
9. तर्क, जिज्ञासा, निरीक्षण शक्ति का विकास होता है-
 - (a) 7 वर्ष में (b) 11 वर्ष में
 - (c) 6 वर्ष में (d) 9 वर्ष में
10. एक शिक्षक होने के नाते आप सामाजिक शिक्षण को क्यों महत्वपूर्ण मानते हैं?
 - (a) बच्चों के समाजीकरण में सहायक है
 - (b) बच्चों को अच्छे प्रगतिक दिलाने में सहायक है
 - (c) यह सबसे आसान शिक्षण है
 - (d) उपरोक्त में से कोई नहीं।
11. आप अपनी कक्षा में बच्चों का सामाजिक शारीरिक व संवेगात्मक विकास करना चाहते हैं, तो निम्न में से आप किसका चुनाव करेंगे?
 - (a) आप कक्षा को बन्द कर सभी बच्चों को उनके घर भेज देंगे
 - (b) बच्चों को विभिन्न प्रकार की खेल प्रक्रिया सिखाएंगे
 - (c) बच्चों को कक्षा में चुपचाप बैठकर पढ़ने को कहेंगे तथा साथ ही आप भी चुपचाप बैठ जाएंगे
 - (d) उपरोक्त में से कोई नहीं।
12. 'प्रतिद्वन्द्वतात्मक समाजीकरण' को अवस्था कहा जाता है-
 - (a) शैशवावस्था को
 - (b) बाल्यावस्था को
 - (c) किशोरावस्था को
 - (d) प्रौढ़ावस्था को।

उत्तरमाला

1	(a)	3	(d)	5	(d)	7	(d)	9	(b)	11	(b)
2	(d)	4	(a)	6	(d)	8	(d)	10	(a)	12	(b)

बाल-केन्द्रित शिक्षा व प्रगतिशील शिक्षा

बाल-केन्द्रित शिक्षा के विषय में मुख्य रूप से राष्ट्रीय पाठ्यचर्या-2005 में विवरण मिलता है। हालांकि प्रकृतिवादियों के समय से बाल-केन्द्रित व क्रिया-केन्द्रित शिक्षा की बात की जाती रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 और प्रोग्राम ऑफ एक्शन, 1992 ने 14 वर्ष की आयु तक सभी बच्चों का सार्वभौमिक नामांकन तथा सार्वभौमिक रूप से उन्हें स्कूल में टिकाए रखने तथा स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में ठोस सुधार के लिए बाल-केन्द्रित उपागम का विचार प्रस्तुत किया था।

समाज में मिलने वाली अनौपचारिक शिक्षा, विद्यार्थी में अपना ज्ञान स्वयं सृजित करने की स्वाभाविक क्षमता को विकसित करती है जिससे विद्यार्थी में अपने आस-पास के सामाजिक व भौतिक वातावरण से और विभिन्न कार्यों से जुड़ने की क्षमता बढ़ती है।

बाल-केन्द्रित शिक्षा का अर्थ बच्चों के अनुभवों, उनके स्वयं और उनकी सक्रिय सहभागिता को प्राथमिकता मनोवैज्ञानिक विकास व अभिरूचियों के मद्देनजर शिक्षा को नियोजित करने की आवश्यकता होती है। इसलिए शिक्षा की योजना इस प्रकार हो कि वह विशेषताओं व जरूरतों की विशाल विविधताओं के तहत भौतिक, सांस्कृतिक तथा सामाजिक प्राथमिकताओं को सम्बोधित करें। अधिकांशतः स्कूलों के शैक्षिक अभ्यास, सिखाने के कार्य और विद्यार्थियों के लिए बनाई गई पुस्तकें, उनके समाजीकरण और उनके सीखने में ग्रहणशीलता के गुण पर बल दिया जाता है। जबकि हमें उनकी सक्रियता व रचनात्मक सामर्थ्य को पोषित और संबर्द्धित करना चाहिए और दुनिया से वास्तविक तरीकों से सम्बन्ध बैठाने, दूसरों से जुड़ने की उनकी मूल अभिरूचि या अर्थ ढूँढ़ने की जन्मजात रुचि को पोषित करना चाहिए।

इस प्रकार बाल-केन्द्रित व प्रगतिशील शिक्षा के उद्देश्य एक जैसे ही हैं।

प्रगतिशील शिक्षा संगठन, जिसकी स्थापना **स्टैनवुड कोब (Stanwood Cobb)** व अन्य ने की थी, इन्होंने 1919 से 1955 तक शिक्षा में बाल-केन्द्रित उपागम को प्रोत्साहित करने के लिए कार्य किया, आठ सालों तक प्रगतिशील कार्यक्रमों को चलाकर उनका मूल्यांकन किया गया। 1500 छात्रों का, चार साल से भी ज्यादा समय तक, परम्परागत विद्यालयों से पढ़ने वाले छात्रों से तुलना की गई और परिणामस्वरूप वे बेहतर पाये गये।

प्रगतिशील शिक्षा व बाल-केन्द्रित शिक्षा की मुख्य विशेषताएँ निम्न हैं-

- करके सीखने पर बल :** छात्र स्वयं अपने हाथों से करके सीखें, विभिन्न योजनाएँ व अधिगम अनुभव द्वारा सीखें।
- समस्या-समाधान व आलोचनात्मक चिन्तन पर बल :** छात्र समस्या-समाधान की दिशा में प्रेरित हो, वह खुद विभिन्न प्रकार से चिन्तन करके अपनी समस्याओं का हल ढूँढ़ें।
- सामूहिक कार्य व सामाजिक कुशलता पर बल :** बालक विभिन्न सामूहिक कार्यों में व्यस्त रहें व विभिन्न सामाजिक कोशलों का ज्ञान प्राप्त करें।
- सामाजिक दायित्व व प्रजातंत्र के लिए शिक्षा :** बालक शिक्षा प्राप्त कर सामाजिक दायित्व की पूर्ति करने योग्य हों।

5. जीवन-पर्यन्त अधिगम व सामाजिक कौशलों पर बल : अधिगम अनुभव सम्पूर्ण जीवन प्राप्त होते रहें व सामाजिक कौशलों की शिक्षा पर बल दें।
6. भावी समाज में आवश्यक कुशलता को ध्यान में रखकर विषय-वस्तु का चयन : भविष्य में समाज में जिन कौशलों की आवश्यकता है, उनको ध्यान में रखकर ही पाठ्य-सामग्री का चयन हो।
7. सहयोगी अधिगम योजनाएँ : अधिगम योजनाएँ हों, जिन्हें ^{सहयोगी} करने में आपसी सहयोग की आवश्यकता हो।
8. पाठ्यचर्या अधिक लचीली व छात्र रुचि के अनुभव : पाठ्यचर्या में लचीलापन व विविधता हो। वह छात्रों की रुचि के अनुसार हो।
9. खोजपूर्ण विधि से अधिगम : अध्यापक बालकों को खोजपूर्ण विधि से सीखने हेतु प्रेरित करें।
10. क्रिया की प्रधानता : अध्यापक ऐसे अधिगम को प्रेरित करें जिसमें बहुविध क्रियाओं द्वारा अधिगम हो।

वैयक्तिक विभिन्नताएँ (Individual Difference)

वैयक्तिक विभिन्नता प्रकृति का स्वाभाविक गुण व देन है। सामान्यतः सभी व्यक्ति समान दिखाई देते हैं, किन्तु सूक्ष्म रूप से देखने पर ज्ञात होता है कि उनमें परस्पर अन्तर आवश्यक है। एक ही माता-पिता को संतान भी शारीरिक बनावट, मानसिक योग्यताओं तथा व्यक्तित्व के गुणों आदि में समान नहीं दिखाई देती।

वैयक्तिक विभिन्नता का मुख्य कारण वंशानुक्रम व वातावरण है। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ विशेषताएँ होती हैं, जो उसे दूसरे व्यक्ति से अलग करती हैं। वंशानुक्रम का अध्ययन करते समय, 19वीं शताब्दी में सर फ्रांसिस गाल्टन का ध्यान वंशानुक्रम की ओर गया। 20वीं शताब्दी में, पियर्सन, कैटेल व रिमैन आदि मनोवैज्ञानिकों ने इसका अध्ययन किया। फलस्वरूप वैयक्तिक विभिन्नता को जानकर, शिक्षाशास्त्रियों ने शिक्षा की योजना, उपयुक्त उपयोगी शिक्षा प्रणालियों व सिद्धान्तों का निर्माण किया। रिक्नर ने कहा- “बालक को प्रत्येक सम्भावना के विकास का एक विशिष्ट काल होता है। यह विशिष्ट काल वैयक्तिक भेद के अनुसार प्रत्येक में भिन्न-भिन्न होता है, यदि उचित समय पर इस सम्भावना को विकसित करने का प्रयत्न न किया जाए, तो उसके नष्ट होने का भय रहता है।”

अर्थ व परिभाषाएँ -

कार्टर बी. गूड द्वारा रचित 'Dictionary of Education' के अनुसार-

- (i) व्यक्तियों में किसी एक विशेषता या अनेक विशेषताओं को लेकर पाये जाने वाला अन्तर।
- (ii) अपने सम्पूर्ण में वे सारे भेद अन्तर, जो एक व्यक्ति को दूसरे से अलग करते हैं।

टायलर के अनुसार, “शरीर के रूप-रंग, आकार, कार्य, बुद्धि, गति, ज्ञान, उपलब्धि, रुचि, अभिरुचि आदि लक्षणों में पायी जाने वाली विभिन्नता को वैयक्तिक विभिन्नता कहते हैं।”

अतः स्पष्ट है कि वैयक्तिक विभिन्नता उन सभी क्षमताओं तथा लक्षणों आदि से सम्बन्धित है जिनसे व्यक्तित्व का विकास व निर्माण होता है।

वैयक्तिक विभिन्नता के आधार

1. **वंशानुक्रम** : माता-पिता व अन्य पूर्वजों से संतान को प्राप्त होने वाला गुण। इन्हीं के कारण प्रत्येक मनुष्य में विभिन्नता और समानता भी दिखाई देती है।
2. **पर्यावरण** : मानव विकास में पर्यावरण का स्थान बड़ा महत्वपूर्ण है। पर्यावरण में वे सभी तत्त्व आते हैं जो मानव विकास व उसके सम्बन्धों को प्रभावित करते हैं, पर्यावरण का अर्थ व्यापक है। इसके प्रभाव से ही वैयक्तिक विभिन्नता विकसित होती है।

वैयक्तिक विभिन्नता के कारण

- वंशानुक्रम
- स्वास्थ्य
- जाति-प्रजाति व राष्ट्र
- लिंग-भेद
- परिपक्वता
- वातावरण
- आयु व बुद्धि
- शिक्षा व आर्थिक स्तर
- पृष्ठभूमि



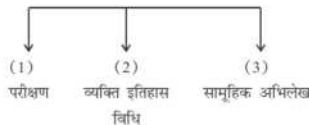
वैयक्तिक विभिन्नता के प्रकार



1. शारीरिक विकास में विभिन्नता
2. मानसिक विकास के विभिन्नता
3. सांवेगिक विकास में विभिन्नता
4. व्यक्तित्व सम्बन्धी विभिन्नता
5. उपलब्धियों में अन्तर
6. ज्ञानात्मक व क्रियात्मक क्षमताओं में अन्तर



वैयक्तिक विभिन्नता जानने की विधियाँ



- | | |
|------------------------|------------------------|
| (A) बुद्धि परीक्षण | (B) उपलब्धि परीक्षण |
| (C) अभियोग्यता परीक्षण | (D) निदानात्मक परीक्षण |
| (E) अभिवृत्ति परीक्षण | (F) व्यक्तित्व परीक्षण |
| (G) अभिरुचि परीक्षण | |

वैयक्तिक विभिन्नता पर आधारित शिक्षण प्रक्रिया :

	प्रणाली	जन्मदाता	विशेषतायें
1.	डाल्टन	अमेरिकन शिक्षाशास्त्रिणी मिस हेलन पार्कहर्स्ट	- सारणी नहीं। - हर विषय की प्रयोगशाला। - छात्र स्वतंत्र।
2.	प्रोजेक्ट प्रणाली	मूलाधार जॉन डीवी, परन्तु प्रणाली के रूप में जन्मदाता विलियम हेड किलपैट्रिक	- परिस्थिति उत्पन्न करना - बालक को नवीन शिक्षा देना - स्वयं सामाजिक वातावरण को पूरा करता है।
3.	डिग्रोली	डा. ओविड डूग्रोली	- जीवन के लिए जीवन द्वारा शिक्षा - बालकों का विभाजन उनकी रुचि, क्षमता योग्यता के अनुसार।
4.	किण्डर गार्टन प्रणाली	फ्रोबेल	- पुस्तकीय ज्ञान का विरोध - बाल-केन्द्रित प्रणाली - खेल द्वारा शिक्षा
5.	विनेटिका प्रणाली	अमेरिका के डा. कार्लटन ब्राशवर्न	- बालक के व्यक्तित्व को प्रधानता - पाठ्यक्रम विभाजन - छात्र अपनी गति से सीखकर स्वयं अपनी परीक्षा लेता है।
6.	माण्टेसरी प्रणाली	जन्मदात्री डा. मेरिया माण्टेसरी	- मनोवैज्ञानिक प्रणाली - व्यवहारिक उपकरणों व सभी इन्द्रियों के माध्यम से शिक्षा।
7.	बेसिक शिक्षा प्रणाली	मोहनदास कर्मचंद गांधी	- सर्वोपयोगी विकास पर बल - अनिवार्य व निशुल्क शिक्षा - हस्तकला पर आधारित मातृभाषा पर
8.	गैरी शिक्षण प्रणाली	डब्ल्यू ए. बर्ट	- तीन प्रमुख बातों पर बल, खेल, कार्य पर अध्ययन

इन विधियों के अतिरिक्त सविदा विधि, क्रियात्मक विधि, अधिक्रमित अनुदेशन, कहानी पद्धति, वार्तालाप विधि पर्यवेक्षित विधि का आवश्यकतानुसार प्रयोग करना चाहिए।

अभ्यास-1 : विगत वर्षों के CTET एवं STET के प्रश्न

1. प्राथमिक स्तर पर एक शिक्षक में निम्न में से किसे सबसे महत्वपूर्ण विशेषता मानना चाहिए?
[CTET-2011-I]
 (a) शिक्षण-पद्धतियों और विषयों के ज्ञान में दक्षता
 (b) अति मानक भाषा में पढ़ाने में दक्षता
 (c) पढ़ाने की उत्सुकता
 (d) धैर्य और दृढ़ता।
2. निचली कक्षाओं में शिक्षण की खेल-पद्धति मूल रूप से आधारित है- [CTET-2011-I]
 (a) विकास एवं वृद्धि के मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों पर
 (b) शिक्षण के समाजशास्त्रीय सिद्धान्तों पर
 (c) शारीरिक शिक्षा कार्यक्रमों के सिद्धान्त पर
 (d) शिक्षण-पद्धतियों के सिद्धान्तों पर।
3. शिक्षा के क्षेत्र में 'पाठ्यचर्या' शब्दावली की ओर संकेत करती है।
 (a) मूल्यांकन प्रक्रिया [CTET-2011-I]
 (b) कक्षा में प्रयुक्त की जाने वाली पाठ्य सामग्री
 (c) शिक्षण-पद्धति एवं पढ़ाई जाने वाली विषय-वस्तु
 (d) विद्यालय का सम्पूर्ण कार्यक्रम जिसमें विद्यार्थी प्रतिदिन अनुभव प्राप्त करते हैं।
4. एक शिक्षक को अपने विद्यार्थियों की क्षमताओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। निम्नलिखित में से कौन-सा क्षेत्र इस उद्देश्य के साथ संबद्ध है?
[CTET-2011-II]
 (a) मौडिया-मनोविज्ञान
 (b) शिक्षा-मनोविज्ञान
 (c) शिक्षा-समाजशास्त्र
 (d) सामाजिक दर्शन।
5. निम्नलिखित में से कौन-सा 'समझ के लिए शिक्षण' को प्रदर्शित नहीं करता?
[CTET-2011-II]
 (a) विद्यार्थियों को एकाकी तथ्यों और प्रक्रियाओं को याद करने के योग्य बनाना
 (b) परिघटना या आधारणा को अपने शब्दों में अभिव्यक्त करने के लिए विद्यार्थियों को कहना
 (c) नियम कैसे काम करता है, इसे स्पष्ट करने हेतु उदाहरण उपलब्ध कराने के लिए विद्यार्थियों को पढ़ाना
 (d) समानता और अंतर देखने और सादृश्यता स्थापित करने के लिए विद्यार्थियों को सहायता करना।
6. व्यक्तिगत शिक्षार्थी एक-दूसरे से.....में भिन्न होते हैं। [CTET-2011-II]
 (a) विकास की सामान्य क्षमता
 (b) वृद्धि एवं विकास के सिद्धान्तों
 (c) विकास की दर
 (d) विकास-क्रम।
7. बच्चे को विकास के सिद्धान्तों को समझना शिक्षक की सहायता करता है- [CTET-2011-II]
 (a) शिक्षार्थियों की भिन्न अधिगम-शैलियों को प्रभावी रूप में संबोधित करने में
 (b) शिक्षार्थी के सामाजिक स्तर को पहचानने में
 (c) शिक्षार्थी की आर्थिक पृष्ठभूमि को पहचानने में
 (d) शिक्षार्थियों को क्यों पढ़ना चाहिए-यह औचित्य स्थापित करने में।
8. प्रत्येक शिक्षार्थी स्वयं में विशिष्ट है। इसका अर्थ है कि- [CTET-2011-II]
 (a) एक विषमरूपी कक्षा में शिक्षार्थियों की क्षमताओं को विकसित करना असंभव है
 (b) कोई भी दो शिक्षार्थी अपनी योग्यताओं, रुचियों और प्रतिभाओं में एक समान नहीं होते
 (c) शिक्षार्थियों में न तो कोई समान विशेषताएं होती हैं और न ही उनके लक्ष्य समान होते हैं
 (d) सभी शिक्षार्थियों के लिए एक समान पाठ्यचर्या संभव नहीं है।

9. विद्यार्थियों की अभिवृत्तियों में परिवर्तन के लिए निम्न में से किस विधि का प्रयोग अध्यापक को नहीं करना चाहिए? [RIET-2011-I]
- दबाव से किसी बात या विचार के लिए राजी करना
 - किसी विचार को दोहराना अथवा दृढ़तापूर्वक व्यवहार
 - किसी प्रशंसनीय व्यक्ति के द्वारा समर्थन एवं स्वीकृति
 - संदेश के साथ साहचर्य स्थापित करना।
10. निम्न में से कौन-सा कथन शिक्षण के बारे में सत्य नहीं है? [RIET-2011-I]
- शिक्षण में सुधार किया जा सकता है
 - शिक्षण औपचारिक एवं अनौपचारिक है
 - शिक्षण विज्ञान के साथ-साथ कला भी है
 - शिक्षण अनुवेशन है।
11. विद्यार्थियों को विद्यालय में खेलना क्यों उचित है? [UPTET-2011-I]
- यह उन्हें शारीरिक रूप से सशक्त बनाएगा
 - यह शिक्षकों के लिए काम आसान करेगा
 - यह समय बिताने में सहायक होगा
 - यह सहयोग एवं शारीरिक संकुलन का विकास करेगा।
12. निम्न में से कौन शिक्षण कुशलता से संबंधित है? [UPTET-2011-I]
- श्यामपट्ट पर लिखना
 - प्रश्नों को हल करना
 - प्रश्न पढ़ना
 - इनमें से सभी।
13. शिक्षा को किण्डरगार्टन पद्धति का प्रतिपादन किया- [UPTET-2011-I]
- टि० पी० नन ने
 - स्पेंसर ने
 - फ्रौबेल ने
 - माण्टेसरी ने।
14. एक शिक्षक को साधन सम्पन्न होना चाहिए। इसका अर्थ है [UPTET-2011-I]
- उनके पास पर्याप्त धन-सम्पदा होनी चाहिए ताकि उसे शिक्षण देने की जरूरत न पड़े
 - उनका अधिकारियों के उच्च स्तर से संपर्क होना चाहिये
 - उनको अपने विद्यार्थियों की समस्याओं को हल करने का पर्याप्त ज्ञान होना चाहिए
 - विद्यार्थियों के बीच उनकी प्रसिद्धि होनी चाहिए।
15. यदि कुछ विद्यार्थी कक्षा में अध्ययन की चितवृत्ति में नहीं हैं, तो आप- [UPTET-2011-I]
- उन्हें अध्ययन के लिए बाध्य करेंगे
 - उन विद्यार्थियों को कक्षा छोड़ने के लिए कहेंगे
 - उन्हें चेतावनी देंगे कि वे अवश्य अध्ययन करें नहीं तो आप प्रधानाध्यापक को सूचित कर देंगे
 - उन्हें उनकी रुचि अथवा आप अपने विषय के अनुसार रुचिपूर्ण चीजें बताएँगे।
16. शिक्षण का सत्तावादी स्तर है-
- शिक्षक-केन्द्रित [UPTET-2011-II]
 - छात्र-केन्द्रित
 - प्रधानाध्यापक-केन्द्रित
 - अनुभव-केन्द्रित।
17. अपने विद्यार्थियों को समझने के लिए एक शिक्षक में अच्छी जानकारी होनी चाहिए- [UPTET-2011-II]
- बाल मनोविज्ञान की
 - बच्चों को समझने की प्रवृत्ति की
 - विषय-वस्तु के प्रति विद्यार्थियों के मत की
 - इनमें से सभी
18. आप किसी कक्षा में पाठ पढ़ाते हैं और एक विद्यार्थी विषय से असम्बद्ध एक प्रश्न पढ़ता है। आप क्या करेंगे? [UPTET-2011-II]
- उसे असम्बद्ध प्रश्न पढ़ने की अनुमति देंगे
 - उसे असम्बद्ध प्रश्न पढ़ने की अनुमति नहीं देंगे
 - उसे गैर-अनुशासित समझकर दण्डित करेंगे
 - कक्षा के बाद प्रश्न का उत्तर देंगे।

19. बुनियादी स्तर का मातृभाषा में शिक्षा देना बेहतर है, क्योंकि यह- [UPTET-2011-II]
- बच्चों में आत्मविश्वास का विकास करेगा
 - अधिगम को सरल बनाएगा
 - बौद्धिक विकास में सहायता करेगा
 - प्राकृतिक वातावरण में बच्चों को सीखने में सहायता करेगा।
20. एक कक्षा में वैयक्तिक विभिन्नताओं के क्षेत्र हो सकते हैं- [CGTET-2011-II]
- रुचियों के
 - सीखने के
 - चरित्र के
 - उपरोक्त सभी।
21. शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना महत्वपूर्ण है, क्योंकि- [CTET-Jan. 2012-I]
- शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में ऐसा ही बताया गया है
 - इससे प्रत्येक शिक्षार्थी को अनुशासित करने के लिए शिक्षकों को बेहतर अवसर मिलते हैं
 - बच्चों को विकास दर भिन्न होती है और वे भिन्न तरीकों से सीख सकते हैं
 - शिक्षार्थी हमेशा समूहों में ही बेहतर सीखते हैं।
22. एक शिक्षिका अपने शिक्षार्थियों की विभिन्न अधिगम-शैलियों को संतुष्ट करने के लिए वैविध्यपूर्ण कार्यों का उपयोग करती है। वह से प्रभावित है। [CTET-Jan. 2012-I]
- गार्डनर के बहुबुद्धि सिद्धांत
 - वाइगोट्स्की के सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत
 - पियाजे के संज्ञात्मक विकास के सिद्धांत
 - कोहलबर्ग के नैतिक विकास के सिद्धांत।
23. शिक्षार्थी वैयक्तिक भिन्नता प्रदर्शित करते हैं। अतः शिक्षक को- [CTET-Jan. 2012-I]
- कठोर अनुशासन सुनिश्चित करना चाहिए
 - परीक्षाओं की संख्या बढ़ा देनी चाहिए
 - अधिगम की एकसमान गति पर बल देना चाहिए
 - सीखने के विविध अनुभवों को उपलब्ध कराना चाहिए।
24. बीजों का अंकुरण संकल्पना के शिक्षण की सबसे प्रभावी पद्धति है- [CTET-Jan. 2012-I]
- श्यामपट्ट पर चित्र बनाना और वर्णन करना
 - बीज को वृद्धि के चित्र दिखाना
 - विस्तृत व्याख्यान करना
 - विद्यार्थियों द्वारा पीछे के बीज बोना और उसके अंकुरण के चरणों का अवलोकन करना।
25. निम्नलिखित में से कौन-सी प्रगतिशील शिक्षा की विशेषता है? [CTET-Jan. 2012-I]
- परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त करने पर बल
 - बार-बार ली जाने वाली परीक्षाएँ
 - समय-सारणी और बैठने की व्यवस्था में लचीलापन
 - केवल प्रस्तावित पाठ्य-पुस्तकों पर आधारित अनुदेश।
26. शिक्षण से अधिगम पर बल देने वाला परिवर्तन हो सकता है- [CTET-Jan. 2012-I]
- रटने को प्रोत्साहित करके
 - अग्र शिक्षण की तकनीक अपनाकर
 - परीक्षा परिणामों पर केन्द्रित होकर
 - बाल-केन्द्रित शिक्षा-पद्धति अपनाकर।
27. एक बाल-केन्द्रित कक्षा में, बच्चे सामान्यतः सीखते हैं- [CTET-2012-II]
- वैयक्तिक और सामूहिक, दोनों रूपों में
 - मुख्य रूप से शिक्षक से
 - वैयक्तिक रूप से
 - समूहों में।
28. सीमा हर पाठ को बहुत जल्दी सीख लेती है, जबकि लीना उसे सीखने में ज्यादा समय लेती है। यह विकास के सिद्धांत को दर्शाता है। [CTET-2012-II]
- वैयक्तिक भिन्नता
 - अन्तःसम्बन्ध
 - निरन्तरता
 - सामान्य से विशिष्ट की ओर।

29. 'बाल-केंद्रित शिक्षा' के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा कारक आधार है?
- वैयक्तिक अंतर [CTET May-2012-II]
 - बाल अधिकार
 - बच्चों की निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009
 - सभी बच्चे सभी संदर्भों में समान होते हैं।
30. "जल-शुद्धि" प्रकरण को स्पष्ट करने का सबसे उचित तरीका है- [CTET May-2012-II]
- चार्ट की सहायता से प्रक्रिया को प्रदर्शित करना
 - विद्यार्थियों को शुद्धिकरण प्लांट का मॉडल बनाने के लिए कहना
 - विद्यार्थियों को उस प्लांट पर ले जाना जहाँ जल-शुद्धि की जाती है
 - पाठ्य-पुस्तक से पढ़ना।
31. एक सशक्त विद्यालय अपने शिक्षकों में निम्नलिखित योग्यताओं में से किसे सर्वाधिक बढ़ावा देगा? [CTET-Nov. 2012-I]
- परीक्षण करने की प्रवृत्ति
 - स्मृति
 - अनुशासित स्वभाव
 - प्रतिस्पर्धात्मक अभिवृत्ति।
32. प्रार्थमिक कक्षा में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने के लिए एक शिक्षक को- [CTET-Nov. 2012-I]
- सकारात्मक अंत वाली कहानियाँ सुनानी चाहिए
 - सुबाह प्रत्येक बच्चे का अभिवादन करना चाहिए
 - विषय नहीं करना चाहिए और प्रत्येक बच्चे के लिए समान लक्ष्य सुनिश्चित करने चाहिए
 - समूह-गतिविधियों के दौरान समाजमिति के आधार पर उन्हें अपने समूह बनाने की अनुमति देनी चाहिए।
33. विद्यार्थियों के पोर्टफोलियो के लिए सामग्री का चयन करते समय का..... जरूर होना चाहिए। [CTET-Nov. 2012-I]
- अभिभावकों, समावेशन
 - विद्यार्थियों, बहिष्करण
 - अन्य शिक्षकों, समावेशन
 - विद्यार्थियों, समावेशन।
34. निम्नलिखित में से कौन-सा सिद्धान्त पाठ-योजना में शामिल नहीं है? [CTET-Nov. 2012-I]
- शिक्षार्थियों का ज्ञान
 - उद्देश्यों की स्पष्टता
 - शिक्षण का ज्ञान
 - योजना की दृढ़ता।
35. जॉन ड्यूवी द्वारा समर्थित 'लैब विद्यालय' के उदाहरण हैं- [CTET-Nov. 2012-I]
- सामान्य विद्यालय
 - फैक्टरी विद्यालय
 - प्रगतिशील विद्यालय
 - पब्लिक विद्यालय।
36. बाल-केंद्रित शिक्षा का समर्थन निम्नलिखित में से किस विचारक द्वारा किया गया? [CTET-Nov. 2012-I]
- चार्ल्स डार्विन
 - जो. एफ. स्कinner
 - जॉन ड्यूवी
 - एरिक डुरिक्सन
37. एक बालक अधिक सीखता है, यदि उसे- [HTET 2012-I]
- पाठ्यपुस्तक के माध्यम से पढ़ाया जाये
 - कम्प्यूटर से पढ़ाया जाये
 - व्याख्यान विधि से पढ़ाया जाये
 - क्रिया विधि से पढ़ाया जाये।
38. कक्षा-कक्ष में शिक्षक प्रयास करता है- [HTET 2012-I]
- छात्रों को अनुभव प्रदान करने का
 - छात्रों को सहायक अधिगम वातावरण देने का
 - छात्रों को चिन्तन का अवसर देने का
 - उपरोक्त सभी।
39. 6-11 वर्ष आयु वर्ग के छात्रों को आवश्यकता है- [HTET 2012-I]
- कक्षा-कक्ष में प्रजातिगत वातावरण की
 - सीखने में स्वायत्तता की
 - क्रिया आधारित, अन्तःक्रियात्मक अधिगम की
 - उपरोक्त सभी।
40. भारतवर्ष में प्राथमरी शिक्षा निम्नलिखित पर बल देती है- [HTET 2012-I]
- बोध का विकास करना
 - आध्यात्मिक पक्ष पर बल देना
 - विवेचनात्मक चिन्तन का विकास करना
 - रटने को प्रेरित करना।

41. सांस्कृतिक तथा भाषिक रूप से वैविध्यपूर्ण कक्षा में यह निश्चित करने से पहले कि शिक्षार्थी विशिष्ट शिक्षा-वर्ग में आता है या नहीं, एक शिक्षक को करना चाहिए- [CTET-2013-II]
- माता-पिता को इसमें सम्मिलित नहीं करना चाहिए क्योंकि उनके पास अपना कार्य होता है
 - अक्षमता स्थापित करने से पहले शिक्षार्थी की मातृभाषा का मूल्यांकन करना चाहिए
 - पारंगत मनोवैज्ञानिकों का उपयोग
 - वातावरणीय कारकों को अप्रभावी बनाने के लिए बच्चे को अलग कर देना चाहिए।
42. दिए गए वाक्य को पूरा करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सर्वाधिक उचित विकल्प होगा? [CTET-2013-II]
- जब बच्चे उन गतिविधियों में शामिल होते हैं जो होती हैं, तब वे जल्दी करते हैं।
- कक्षा-कक्ष में उपयोगी; विस्मरण
 - केवल उनके कक्षा-कार्य से संबंधित; प्रत्यास्मरण
 - सांस्कृतिक रूप से निष्पक्षीय; स्मरण
 - वास्तविक जीवन में उपयोगी; सीखा।
43. ब्लूम की टेक्सोनीमी की पदानुक्रमिक व्यवस्था है। [CTET-2013-II]
- उपलब्धि लक्ष्यों
 - पाठ्यचर्या संबंधी घोषणाओं
 - पठन कौशल
 - संज्ञानात्मक उद्देश्यों।
44. के द्वारा निपुणता अभिविन्यास को प्रोत्साहित किया जा सकता है। [CTET-2013-II]
- शिक्षार्थियों के व्यक्तिगत प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने
 - शिक्षार्थियों की सफलता की परस्पर तुलना करने
 - गृह-कार्य को रूप में बहुत अधिक अभ्यास सामग्री देकर
 - अनपेक्षित परीक्षा लेकर।

45. एक शिक्षिका दो एक समान गिलासों को प्रदर्शित करती है जो जूस की समान मात्रा से भरे हुए हैं, वह उन्हें दो भिन्न गिलासों में खाली करती है जिनमें से एक लंबा है और दूसरा चौड़ा है। वह बच्चों को उस गिलास की पहचान करने के लिए कहती है जिसमें जूस ज्यादा है। बच्चे प्रत्युत्तर देते हैं कि लंबे गिलास में जूस ज्यादा है। शिक्षिका के बच्चों को कठिनाई है।

[CTET-2013-II]

- समायोजन
 - अहमकेंद्रिता
 - विकेंद्रीकरण
 - पलटवै (Reversibility)
46. के. मा. शि. बो. (CBSE) द्वारा अपनाए गए प्रगतिशील शिक्षा के प्रतिमान में बच्चों का समाजीकरण जिस प्रकार से किया जाता है, उससे अपेक्षा की जा सकती है कि-

[CTET-Feb.-2014-I]

- वे समय नष्ट करने वाली सामाजिक आदतों/प्रकृति का त्याग करें तथा सीखें कि किस प्रकार अच्छी श्रेणियाँ पाई जा सकती हैं (score good grades)
 - वे सामूहिक कार्य में सक्रिय भागीदारिता का निर्वाह करें तथा सामाजिक कौशल सीखें
 - वे बिना प्रश्न उठाए समाज के नियमों-विनियमों का अनुपालन करने के लिए तैयार हो सकें
 - किसी भी प्रकार की सामाजिक पुष्टपुष्टि होते हुए भी वे वह सब स्वीकार करें जो उन्हें विद्यालय द्वारा प्रदान किया जाता है।
47. एक शिक्षिका अपनी कक्षा से कहती है, "सभी प्रकार के प्रदत्त कार्य (assignments) का निर्माण इस प्रकार किया गया है कि प्रत्येक विद्यार्थी अधिक प्रभावशाली ढंग से सीख सकें, अतः सभी विद्यार्थी बिना किसी अन्य की सहायता से अपना कार्य पूर्ण करें।" वह कोहलबर्ग के किस नैतिक विकास के चरण की ओर संकेत दे रही है?

[CTET-Feb.-2014-I]

- (a) औपचारिक चरण-4- कानून और व्यवस्था
(b) पर-औपचारिक चरण-5- सामाजिक संविदा
(c) पूर्व-औपचारिक चरण-1-दण्ड परिवर्जन
(d) पूर्व-औपचारिक चरण-2-वैयक्तिकता और विनिमय
48. 14-वर्षीय देविका अपने-आप में फूटू, स्वनिर्घटित व्यक्ति की भावना को विकसित करने का प्रयास कर रही है। वह विकसित कर रही है-
[CTET-Feb.-2014-I]
- (a) नियमों के प्रति घृणा
(b) स्वायत्तता
(c) किशोरोपस्थात्मक अस्खड्डपन
(d) परिपक्वता।
49. प्रगतिशील शिक्षा के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन जॉन ड्यूवी के अनुसार समुचित है?
[CTET-Feb.-2014-I]
- (a) कक्षा में प्रजातंत्र का कोई स्थान नहीं होना चाहिए
(b) विद्यार्थियों को स्वयं ही सामाजिक समस्याओं को सुलझाने में सक्षम होना चाहिए
(c) बिज्ञासु विद्यार्थियों के स्वभाव में अन्तर्निहित नहीं है, अपितु इसका कर्षण/स्वर्धन करना चाहिए
(d) कक्षा में विद्यार्थियों का निरीक्षण करना चाहिए न कि सुनना चाहिए।
50. निम्नलिखित में से कौन-सा विकासवात्मक विकास का उदाहरण नहीं है? [CTET-Feb.-2014-I]
- (a) आत्मविमोह
(b) प्रमस्तिष्क घात
(c) पर-अभिप्राय तनाव
(d) न्यून अवधान सक्रिय विकास
51. विद्यालयों में समावेशन मुख्यतः केन्द्रित होता है-
[CTET-Feb.-2014-I]
- (a) विशिष्ट श्रेणी वाले बच्चों के लिए सूक्ष्मातिमूख्य प्रावधानों के निर्माण पर
(b) केवल नियोग्य छात्रों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने पर
(c) सम्पूर्ण कक्षा की कोमत पर नियोग्य बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने पर
(d) विद्यालयों में निरक्षर अभिभावकों की शैक्षिक आवश्यकताओं पर।
52. बच्चों में सोखी गई निस्सहायता का कारण है-
[CTET-Feb.-2014-I]
- (a) इस व्यवहार को अर्जित कर लेना कि वे सफल नहीं हो सकते
(b) कक्षा गतिविधियों के प्रति कठोर निर्णय
(c) अपने अभिभावकों की अपेक्षाओं के साथ तालमेल न बना पाना
(d) अध्ययन को गम्भीरतापूर्वक न लेने हेतु नैतिक निर्णय।
53. यदि एक विद्यार्थी विद्यालय में लगातार निम्नतर श्रेणी प्राप्त करती है, तो उसके अभिभावक को उसकी सहायता हेतु परामर्श दिया जा सकता है कि-
[CTET-Feb.-2014-I]
- (a) वह अध्यापकों को घनिष्ठ संपर्क में कार्य करे
(b) मोबाइल, फोन, चलचित्र, कॉमिक्स, खेल हेतु अतिरिक्त काल पर रोक लगाए
(c) जो भलीभाँति शिक्षा नहीं ले पाए उनकी जीवन-सम्बन्धी कठिनाइयों का वर्णन करे
(d) घर पर उसको परिश्रमपूर्वक कार्य करने पर बल दे।
54. एक शिक्षिका पाठ को पूर्वपठित पाठ से जोड़ते हुए बच्चों को सारांश लिखना सिखा रही है। वह क्या कर रही है? [CTET-Feb.-2014-I]
- (a) वह बच्चों को पाठ समझने की स्व-शैली विकसित करने में सहायता कर रही है
(b) वह बच्चों को सम्पूर्ण पाठ्यवस्तु को पूर्णरूप से न पढ़ने की आवश्यकता का संकेत दे रही है
(c) वह आकलन के दृष्टिकोण से पाठ्यवस्तु को महत्त्व को पुनर्बलित कर रही है
(d) वह विद्यार्थियों को सामर्थ्यानुकूल स्मरण करने को प्रेरित कर रही है।
55. एक बच्चा अपनी मातृभाषा सीख रहा है व दूसरा बच्चा वही भाषा द्वितीय भाषा के रूप में सीख रहा है। दोनों निम्नलिखित में से कौन-सी समान प्रकार की त्रुटि कर सकते हैं?
[CTET-Feb.-2014-I]
- (a) अधिकाधिक सामान्यीकरण
(b) सरलीकरण
(c) विकासवात्मक
(d) अत्यधिक संशुद्धता।

56. परिपक्व विद्यार्थी- [CTET-Feb.-2014-I]

- इस बात में विश्वास करते हैं कि उनके अध्ययन में भावनाओं का कोई स्थान नहीं है
- अपनी बौद्धिकता के साथ अपने सभी प्रकार के इन्द्रों का शीघ्र समाधान कर लेते हैं
- अपने अध्ययन में कभी-कभी भावनाओं की सहायता चाहते हैं
- कठिन परिस्थितियों में भी अध्ययन से विचलित नहीं होते।

57. प्रगतिशील शिक्षा के सन्दर्भ में 'समान शैक्षिक अवसर' से अभिप्राय है कि सभी छात्र-

[CTET-Feb.-2014-II]

- किसी भी जाति, पन्थ, रंग, क्षेत्र व धर्म के होते हुए भी समान शिक्षा प्राप्त करें
- समान शिक्षा पाने के बाद अपनी क्षमताओं को सिद्ध कर सकें
- बिना किसी भेद के समान पद्धतियों व सामग्रियों से शिक्षा प्राप्त करें
- ऐसी शिक्षा पाएं जो उनके लिए अनुकूलतम हो तथा उनके भविष्य के कार्यों में सहायक हो।

58. एक शिक्षक को कक्षा में कार्य करना चाहिए [HTE-2014-I]

- प्रगतिशील भूमिका में
- प्रभुत्ववादी भूमिका में
- प्रजातान्त्रिक भूमिका में
- प्रभावशाली भूमिका में।

59. एक सजीव कक्षा स्थिति में निम्नलिखित में सबसे अधिक सम्भावित है- [HTE-2014-I]

- कभी-कभार हैसी का शोर
- पूर्णरूप से शान्ति
- शिक्षक-छात्र वार्ता
- विद्यार्थियों के बीच तेज आवाज में चर्चा-लाप।

60. व्यक्तिगत विभिन्नताओं का क्षेत्र है- [HTE-2014-I]

- लिंग-भेद
- शारीरिक रचना
- मानसिक योग्यताएँ
- ये सभी।

61. जब बालक सीखने के लिए तैयार होता है, तब वह जल्दी व प्रभावशाली तरीके से सीखता है। यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया गया है-

[HTE-2014-I]

- थॉर्नडाइक के सिक्नर द्वारा
- पावलोव द्वारा
- कूर्ट लेविन द्वारा।

62. आपके अनुसार, शिक्षण है- [HTE-2014-I]

- एक प्रक्रिया
- एक कलर
- एक कौशल
- (b) और (c)

63. वह कथन जो वैयक्तिक विभिन्नता के संदर्भ में सत्य नहीं है, वह है- [HTE-2014-I]

- व्यक्ति विशेष प्रकार में भिन्न होते हैं
- व्यक्ति विशेष कोटि में भिन्न होते हैं
- व्यक्ति विशेष प्रकार व कोटि दोनों में भिन्न होते हैं
- व्यक्ति विशेष न तो कोटि और न ही प्रकार में भिन्न होते हैं

64. फ्रोबेल ने निम्न में से किस खेल पर प्रमुख बल दिया? [HTE-2014-I]

- गेंद का खेल
- ब्लॉक का खेल
- आकृतियों का खेल
- ये सभी।

65. प्रयोगात्मक विधि को सर्वप्रथम प्रस्तावित किया- [HTE-2014-I]

- जुड ने
- राइस एवं कार्नमैन ने
- विलहेल्म वुष्ट ने
- कोलिन्स व डूबर ने

66. एक शिक्षक को सबसे महत्वपूर्ण चुनौती है- [HTE-2014-I]

- विद्यार्थियों से उनका गृह कार्य करवाना
- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को आनन्दप्रद बनाना
- कक्षा में अनुशासन बनाए रखना
- प्रश्न-पत्र तैयार करना।

67. एक व्यक्ति वैधानिक रूप से दृष्टिबाधित है, यदि उसका विजन क्षेत्र 20° है। जबकि उसकी विजुअल एक्ज्यूडि- [HTE-2014-I]

- (a) अत्यधिक उपयुक्त सुधार के साथ, ठीक आँख में 6/6 से कम है
(b) अत्यधिक उपयुक्त सुधार के साथ, ठीक आँख में 6/7 से कम है
(c) अत्यधिक उपयुक्त सुधार के साथ, ठीक आँख में 6/30 से कम है
(d) अत्यधिक उपयुक्त सुधार के साथ, ठीक आँख में 6/60 से कम है।
68. एक प्रभावी शिक्षक वह है, जो कर सकता है- [HTE-2014-I]
(a) कक्षा पर नियन्त्रण
(b) कम समय में अधिक सूचना देना
(c) विद्यार्थियों को सीखने के लिए अभिप्रेरित करना
(d) दत्तव्य के ध्यानपूर्वक जाँचना।
69. निम्न में से कौन-सा मत अनदृष्टि द्वारा सीखने की व्याख्या करता है? [UPTET-2014-I]
(a) मनोविरलेषणवाद
(b) व्यवहारवाद
(c) सम्बन्धवाद
(d) गेस्टल्डवाद।
70. बाल मनोविज्ञान के आधार पर कौन-सा कथन सर्वोत्तम है? [UPTET-2014-I]
(a) सारे बच्चे एक जैसे होते हैं
(b) कुछ बच्चे एक जैसे होते हैं
(c) कुछ बच्चे विशिष्ट होते हैं
(d) प्रत्येक बच्चा विशिष्ट होता है।
71. बाल मनोविज्ञान का केन्द्रबिन्दु है- [UPTET-2014-I]
(a) अच्छा शिक्षक (b) बालक
(c) शिक्षण प्रक्रिया (d) विद्यालय
72. प्रारम्भिक स्तर पर मूल्यों की शिक्षा देने की सर्वोत्तम विधि है- [UPTET-2014-I]
(a) मूल्यों के महत्व को बताना
(b) मूल्यों के पालन न करने पर दण्डित करना
(c) अध्यापक के व्यवहार में मूल्य स्थापन
(d) उपरोक्त सभी।
73. मूल्यों के वर्गीकरण में सम्मिलित नहीं है- [UPTET-2014-I]
(a) आध्यात्मिक मूल्य
(b) येन केन प्रकारेण धनार्जन का मूल्य
(c) नैतिक मूल्य
(d) सांस्कृतिक मूल्य।
74. व्यक्तित्व के संगठन का स्वरूप है- [UPTET-2014-I]
(a) सामाजिक-आर्थिक
(b) मनोवैज्ञानिक-शारीरिक
(c) सामाजिक-राजनीतिक
(d) मनोवैज्ञानिक-आध्यात्मिक।
75. कक्षा 4 का एक बच्चा सदैव चिन्तित और कुण्ठित रहता है, आप- [UPTET-2014-I]
(a) उसके अभिभावक से शिकायत करेंगे
(b) मनोचिकित्सक को पास ले जाएँगे
(c) स्वयं परामर्शदाता की भूमिका का निर्वाह करेंगे
(d) उसे उसके भाग्य पर छोड़ देंगे।
76. वैयक्तिक भिन्नता का क्या अर्थ है? [UPTET-2014-II]
(a) दो व्यक्तियों में शारीरिक भिन्नता होना
(b) कोई दो व्यक्ति शारीरिक, मानसिक योग्यता और संवैधानिक दृष्टि से समान और एक जैसे नहीं होते हैं
(c) कोई दो व्यक्ति शारीरिक और मानसिक योग्यता में समान और एक जैसे होते हैं
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।
77. निम्नलिखित में से कौन-सी दशा/एक ध्यान को आकर्षित करने की आन्तरिक दशा नहीं है/हैं? [UPTET-2014-II]
(a) उद्दीपन की स्थिति
(b) आवश्यकता
(c) (a) या (b)
(d) (a) और (b) दोनों
78. प्रकृति-पोषण विवाद निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है? [CTET-Sep.-2014-I]
(a) आनुवंशिकी एवं वातावरण
(b) व्यवहार एवं वातावरण
(c) वातावरण एवं जीव-विज्ञान
(d) वातावरण एवं पालन-पोषण।
79. ध्वनि-सम्बन्धी जागरूकता निम्नलिखित में से किस क्षमता से सम्बन्धित है? [CTET-Sep.-2014-I]
(a) ध्वनि संरचना पर चिन्तन करना व उसमें हेर-फेर करना
(b) सही-सही व धाराप्रवाह बोलना
(c) जानना, समझना व लिखना
(d) व्याकरण के नियमों में दक्ष होना।
80. निम्न में से कौन-सा सीखने की शैली का एक उदाहरण है? [CTET-Sep.-2014-I]
(a) चाक्षुष (b) संग्रहण
(c) तथ्यात्मक (d) स्पर्श-सम्बन्धी।